पोस्टर बनाकर दूसरे का जीवन बचाने का दिया संदेश

गोपाल विद्यार्थी

पटना : स्टेट ऑर्गन एवं टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑगेनाइजेशन द्वारा कॉलेज ऑफ नर्सिंग आईजीआईएम में जीएनएम एवं बीएससी नर्सिंग के छात्राओं के लिए ह्यअंगदानह्ल विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता एवं सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया` इस कार्यक्रम का आयोजन देश भर में चल रहे ह्यअंगदान जीवन संजीवनीह्ल अभियान के अंतर्गत किया गया` दो दिवसीय इस कार्यक्रम में पहले दिन पोस्टर प्रतियोगिता में बीएससी नर्सिंग एवं जीएनएम कि छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया` प्रथम तीन विजेताओं को अंगदान दिवस के दिन सम्मानित किया जाएगा` कार्यक्रम कि दूसरे दिन अंगदान विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमे छात्राओं को अंगदान के बारे में जानकारी दी गई ` कार्यक्रम की शुरूवात कॉलेज ऑफ नर्सिंग आईजीआईएम की प्राचार्या डॉ अनुजा डेनियल ने स्वागत भाषण से हुई` मौके पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन छात्राओं में उत्साह भर देता है` अंगदान से जुड़ी जानकारी समाज में सभी वर्ग के लोगों में होनी चाहिए! ऑर्गन ट्रांसप्लांट में नर्सिंग की अहम भूमिका होती है ` हम सभी मिलकर बिहार में अंगदान को अन्य राज्यों के तर्ज पर लोगों में प्रोत्साहन हो और इसके लिए हम सभी एक जुट होकर काम करेंगे` सोटो के चेयरमैन डॉ मनीष मंडल ने कहा कि भारत में अंगदान नेशनल ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रोग्राम द्वारा संचालित किया जा रहा है और आए दिन ट्रांसप्लांट की गतिविधियों में नए नए आविष्कार हो रहे जिसकी जानकारी आमलोगों तक पहुँचनी चाहिए` सोटो बिहार जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा लोगो को अंगदान संबंधित जानकारी दे रहे` उन्होंने यह भी कहा कि नर्सिंग के स्टूडेंट्स इस पर रिसर्च भी कर सकते हैं` सोटो की आई ई सी कंसलटेंट एकता ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं अपने प्रेजेंटेशन में अंगदान के लिए शपथ लेने की पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया` उप प्राचार्या डॉ रूपश्री दासगुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ` मौके पर कॉलेज की फैकल्टी एवं सोटो के ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर जसपाल सिंह एवं प्रोग्राम असिस्टेंट सीमा कुमारी आदि मौजूद थे`

SPREADING THE MESSAGE OF SAVING LIVES THROUGH POSTERS

Gopal Vidyarthi

Patna: A poster competition and sensitization program on the theme of organ donation was organized by the State Organ and Tissue Transplant Organization (SOTTO) at the College of Nursing, IGIMS, for GNM and B.Sc Nursing students. The initiative was part of the nationwide "Angdaan Jeevan Sanjeevani" campaign. On the first day of this two-day event, students from both B.Sc Nursing and GNM actively participated in the poster competition. The top three winners will be felicitated on Organ Donation Day. On the second day, a lecture on organ donation was held to raise awareness among the students. The program began with a welcome address by Dr. Anuja Daniel, Principal of the College of Nursing, IGIMS. She expressed that such events boost enthusiasm among students and emphasized that knowledge about organ donation should reach people from all walks of life. She highlighted the crucial role of nursing in organ transplantation and called for collective efforts to promote awareness about organ donation in Bihar, similar to other states. SOTTO Chairman Dr. Manish Mandal remarked that organ donation in India is conducted under the National Organ Transplant Program, and continuous innovations in transplantation are taking place, which need to be communicated to the public. He noted that SOTTO Bihar is working to spread awareness through various programs and encouraged nursing students to engage in research on the subject.

IEC Consultant Ekta from SOTTO conducted the session and presented the complete process of pledging for organ donation. The program concluded with a vote of thanks from Vice Principal Dr. Rupshree Dasgupta. Faculty members from the college, along with SOTTO's transplant coordinator Jaspal Singh and program assistant Seema Kumari, were also present.

QAUMI TANZEEM Patna, Wed. 23, July. 2025

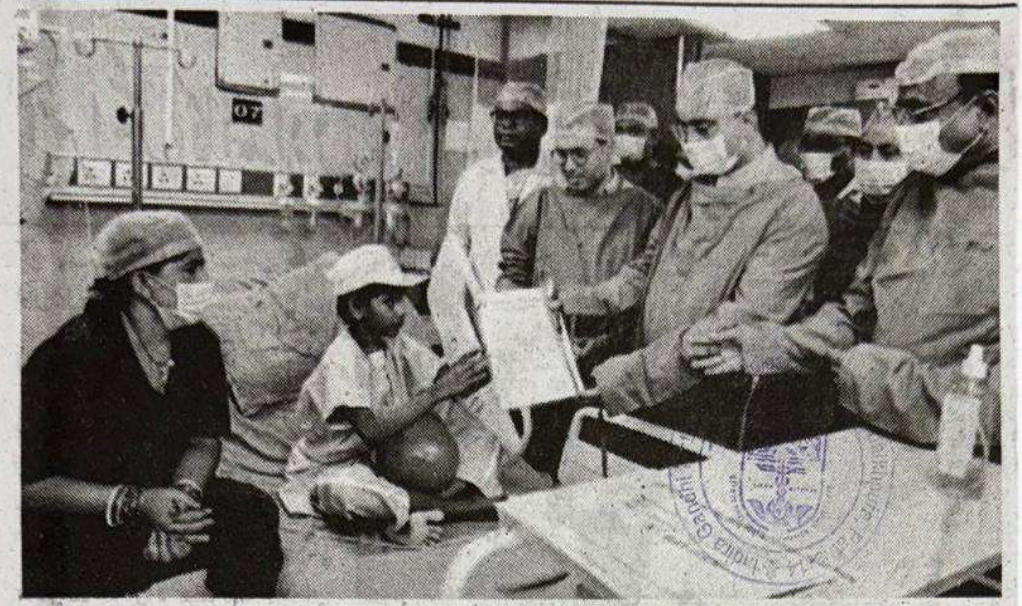

وزیر صحت منگل پانڈے نے آئی جی آئی ایم ایس میں دل کی کامیاب سرجری کرانے والے بچوں سے ملاقات کی

2278 سے زیادہ بچوں کے دل کا کامیاب آپریشن: منگل پانڈے

پٹنہ (ت ن س) وزیر صحت منگل پانڈے نے منگل کو پٹنہ کے اندرا گاندھی انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسز میں بال ہردئے یوجنا کے تحت دل کی کامیاب سرجری کروانے والے 31 بچوں اور ان کے اہل خانہ سے ملاقات کی اور ان کی خیریت دریافت کی۔ انہوں نے ان کی اچھی صحت اور روشن مستقبل کی خواہش بھی کی۔ 14 مئی کو راشٹریہ بال تحفظ کاریہ کرم کے تحت بال ہردیہ یوجنا کے لیے کیمپ کا انعقاد کیا گیا، جس میں 150 بچوں کا معائنہ کیا گیا اور 70 بچوں کو آپریشن کے لیے منتخب کیا گیا۔ ان میں سے 31 بچوں کے کامیاب آپریشن ہو چکے ہیں، باقی 39 بچوں کا جلد آپریشن کر دیا جائے گا۔ جناب پانڈے نے کہا کہ اب تک ریاست کے 2278 سے زیادہ بچوں کے دل کے کامیاب آپریشن ہو چکے ہیں۔ 2021 میں بال دل یوجنا کے آغاز کے وقت، دل کے سوراخوں میں مبتلا بچوں کو احمد آباد کے سری ستھیا سائی اسپتال بھیجا گیا تھا۔ جہاں اب تک 1500 سے زائد بچوں کا کامیاب علاج کیا جا چکا ہے۔ انہوں نے بتایا کہ اب بہار میں بھی اس اسکیم کے تحت پٹنہ میں واقع IGIC، IGIMS اور Jaiprabha Medanta اسپتالوں میں مفت علاج کی سہولت فراہم کی جا رہی ہے۔ جناب پانڈے نے کہا کہ بال ہردیہ یوجنا اور اس طرح کی کئی عوامی فلاحی اسکیمیں بہار کے لوگوں کے تعاون اور اعتماد کی وجہ سے ممکن ہوئی ہیں۔ انہوں نے کہا کہ جب بہار کے عوام نے این ڈی اے حکومت کو منتخب کیا تو ہم نے مفاد عامہ میں ایسی اسکیموں کو نافذ کیا جس کا براہ راست فائدہ آج عام لوگوں کو مل رہا ہے۔ حکومت کا یہ واضح عزم ہے کہ ہر بچے کو بغیر کسی مالی بوجھ کے زندگی بچانے والی طبی سہولت ملنی چاہیے اور بال ہردیہ یوجنا اس عزم کا ثبوت ہے۔ انہوں نے یقین دلایا کہ اس طرح کی عوامی فلاح و بہبود کی کوششیں مستقبل میں بھی جاری رہیں گی تاکہ ہر بچے کی زندگی کا حق محفوظ ہو سکے۔ اس دوران انہوں نے IGIMS انتظامیہ اور میڈیکل ٹیم کی تعریف کی اور انہیں اس انسانی خدمت کے لئے مبارکباد دی اور کہا کہ ریاستی حکومت معاشی طور پر کمزور خاندانوں کے شدید بیمار بچوں کے علاج کے لئے مسلسل کوششیں کر رہی ہے۔ بال ہردیہ یوجنا کے ذریعے اب تک سینکڑوں بچوں کو نئی زندگی ملی ہے، جو کہ بہار کے صحت کے شعبے میں ایک اہم کامیابی ہے۔ اس پروگرام میں سنجیو چورسیا ایم ایل اے دیکھا، ڈاکٹر بندے، ڈائرکٹر، آئی جی آئی ایم ایس، ڈاکٹر منیش منڈل، میڈیکل سپرنٹنڈنٹ، آئی جی آئی ایم ایس کے علاوہ آئی جی آئی ایم ایس اور محکمہ صحت کے دیگر افسران اور ملازمین اس پروگرام میں موجود تھے۔

IGIMS

स्वास्थ्य विभाग
बिहार सरकार

BHY

श्री मंगल पाण्डेय जी

माननीय मंत्री, स्वास्थ्य ,बिहार सरकार

के तरफ से

बाल हृदय योजना

अन्तर्गत

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना, बिहार

में

सफल हार्ट सर्जरी हुए बच्चों

को

हार्दिक शुभकामनाएं

दिनांक : 22–07–2025

समय : अपराहन 03:00 बजे से

स्थल: ऑडिटोरियम

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, शेखपुरा, पटना, बिहार

7:53 100%
23072025-AJ-PTN
PDF reader

आज

आईजीआईएमएस में हार्ट की सर्जरी करा चुके बच्चों से मिले स्वास्थ्य मंत्री

पटना (आससे)। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आईजीआईएमएस में बाल हृदय योजना के अंतर्गत सफल हृदय शल्य चिकित्सा (हार्ट सर्जरी) कर चुके 31 बच्चों और उनके परिजनों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि 14 मई को राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत बाल हृदय योजना के लिए शिविर आयोजित की गई थी। जिसमें 150 बच्चें की जांच की गई और 70 बच्चों का ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। उनमें से 31 बच्चों का सफल ऑपरेशन हुआ और शेष 39 बच्चों का जल्द ही ऑपरेशन होगा।

दीघा विधायक डा.संजीव कुमार चौरसिया ने आईजीआईएमएस की टीम के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। संस्थान के निदेशक ड.बिन्दे कुमार ने संस्थान के बारे में कहा कि आईजीआईएमएस सभी वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण इलाज प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। उपनिदेशक डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में संस्थान बच्चों के बेहतर के लिए हर संभव प्रयास करेगा। कार्डियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा.रवि विष्णु प्रसाद ने कार्डियोलॉजी टीम एवं संस्थान में कार्यरत आरबीएसके टीम की मेहनत को रेखांकित करते हुए इस मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। सीटीभीएस के विभागाध्यक्ष डा.शील अवनीश ने एक लाइव हार्ट सर्जरी का वीडियो प्रस्तुत कर उपस्थितजनों को जटिल हृदय सर्जरी की बारीकियों से अवगत कराया। इस मौके पर अस्पताल के अधीक्षक डा.मनीष मंडल, आरबीएसके के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डा.राजीव एवं राज्य समन्वयक मो.इम्तिजाय,बाल हृदय योजना के नोडल पदाधिकारी डा.प्रियंकर सिंह, डा.तुषार, डा.एंड्रयू, डा. गौतम, डा.चन्द्रभानु चंदन, डा. विवेकानंद, डा.सतीश कुमार समेत अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

39 बच्चों की जल्द होगी हार्ट की सर्जरी

सत्येंद्र सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपित ने किया सरेंडर

पटना (आससे)। राजधानी के बेहर थाना क्षेत्र में हुई चर्चित सतेंद्र सिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपी और कुख्यात अपराधी बिट्टू सिंह ने मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया. बिट्टू सिंह पर आरोप है कि उसने वर्ष 2025 के शुरू में ही सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान सतेंद्र सिंह की बेउर थाना क्षेत्र के बेतौड़ा रोड में गोली मारकर हत्या कर दी थी और वारदात के बाद फरार हो गया था. हत्या के बाद से ही पुलिस को उसकी तलाश थी, लेकिन वह लगातार

हरी चूड़ियां

पटना (आससे)। सावन और हरा रंग। दोनों में काफी गहरा संबंध है। चाहे हरी साड़ी हो या हरी चूड़ी। इतना

CITY RS PAT 23 JULY 2025
PDF reader

खा गया है।।

किया प्रदर्शन

ट) के आह्वान पर राज्य लक लाइब्रेरी से प्रदर्शन र पर रसोइयों ने प्रदर्शन नदेय 1650 से बढ़ाकर मानदेय निर्धारित करने, र रिटायरमेंट पैकेज लागू दल के उपनेता सत्यदेव प्रकाश रंजन, रामबली

किया विरोध

गंभीर हृदय रोगों से जूझ रहे बच्चों के जीवन में आशा की किरण है 'बाल हृदय योजना'

आईजीआईएमएस के सीटीवीएस और कार्डियोलॉजी विभाग की आईसीयू में एडमिट बच्चों से मुलाकात में बोले स्वास्थ्य मंत्री

पटना (एसएनबी)। बाल हृदय योजना एवं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तत्वावधान में मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) पटना का दौरा किया एवं सीटीवीएस और कार्डियोलॉजी विभाग के आईसीयू में ऑपरेशन किए गए बच्चों से मुलाकात की। मंत्री ने उन बच्चों से भी भेंट की जिनकी सर्जरी अगले कुछ दिनों में होने वाली है। मंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ भविष्य की कामना की। स्वास्थ्य मंत्री ने आईजीआईएमएस की ओर से किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि 'बाल हृदय योजना' उन बच्चों के जीवन में आशा की किरण है जो गंभीर हृदय रोगों से जूझ रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से इस योजना पर भरोसा जताने की अपील की। बताते चलें कि आईजीआईएमएस में बीते तीन वर्षों में 1296 बच्चों का सफल ऑपरेशन किया गया। आईजीआईएमएस के मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रो. मनीष मंडल ने बताया कि वर्ष 2022-23 में 303,2023-24 में 427 और 2024-25 में 566 बच्चों की सफल सर्जरी की गई। यह उल्लेखनीय है कि 14 मई 2025 को आईजीआईएमएस में आयोजित निःशुल्क बाल हृदय स्वास्थ्य शिविर में कुल 150 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई थी, जिनमें से 70 बच्चों को ऑपरेशन के लिए चयन किया गया था। अब तक चिकित्सकों द्वारा 30 बच्चों की जटिल हृदय सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की जा चुकी है और शेष 40 बच्चों की सर्जरी शीघ्र होने वाली है।

विधायक संजीव चौरसिया ने भी ऑपरेशन में शामिल आईजीआईएमएस के टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। निदेशक प्रो. बिंदे कुमार ने कहा कि संस्थान सभी वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण इलाज प्रदान करने के लिए समर्पित है। उप निदेशक प्रो. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में आईजीआईएमएस बच्चों की भलाई के लिए कृतसंकल्पित है। सीटीवीएस विभागाध्यक्ष डॉ. शील अवनीश ने एक लाइव हार्ट सर्जरी का वीडियो प्रस्तुत कर लोगो को जटिल हृदय सर्जरी की बारीकियों से अवगत कराया। कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. रवि विष्णु ने कार्डियोलॉजी टीम एवं संस्थान में कार्यरत आरबीएसके टीम की मेहनत को रेखांकित करते हुए इस मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। आरबीएसके के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजीव एवं राज्य समन्वयक मोहम्मद इम्तियाज ने कहा कि राज्य स्वास्थ्य समिति संस्थान को बाल हृदय सर्जरी जैसे कार्यों में पूर्ण सहयोग देती रहेगी। संस्थान के आरबीएसके एवं बाल हृदय योजना के नोडल अधिकारी डॉ. प्रियंकर सिंह ने संकल्प लिया कि स्वास्थ्य मंत्री के मार्गदर्शन में आईजीआईएमएस की टीम राज्य के हर जरूरतमंद बच्चे का इलाज यहीं कराने की हरसंभव प्रयास करेगी,ताकि किसी को राज्य के बाहर जाने की आवश्यकता न पड़े।

राज्य में लिवर व बोन मैरो ट्रांसप्लांट की कवायद तेज

जागरण संवाददाता, पटना : स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि अब राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम (आरबीएसके) व मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत आइजीआइएमएस, आइजीआइसी व जयप्रभा मेदांता जैसे अस्पतालों में निशुल्क उपचार किया जा रहा है। 2021 में जब बाल हृदय योजना शुरू हुई थी तब हृदय छिद्र से पीड़ित बच्चों को अहमदाबाद के श्री सत्य साई हास्पिटल भेजा जाता था। वहां अबतक 1,500 से अधिक बच्चों का सफल निशुल्क इलाज कराया गया। एक वर्ष बाद ही प्रदेश के तीन अस्पतालों में हृदय छिद्र की सर्जरी की जाने लगी। अबतक प्रदेश के 2,278 से अधिक बच्चों का सफल हृदय आपरेशन किया जा चुका है। अब सरकार लिवर व बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा में प्रदेश में शुरू करने पर खर्च कर रही है। सीएमसी वेल्लौर से समझौता कर 350 बच्चों का बोन मैरो ट्रांसप्लांट कराया जा रहा है।

आइजीआइएमएस में दिल में छेद की सर्जरी कराने वाले 31 बच्चों के साथ स्वास्थ्य मंत्री व अन्य पदाधिकारी ● जागरण

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय मंगलवार को आइजीआइएमएस में बाल हृदय योजना के तहत हृदय शल्य चिकित्सा करा चुके 31 बच्चों व उनके स्वजन से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने उनकी कुशलता जानी व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। गत 14 मई को आरबीएसके के तहत बाल हृदय योजना के लिए शिविर आयोजित कर 150 बच्चों की जांच कर 70 को सर्जरी के लिए चुना गया था। इनमें से 31 बच्चों की सर्जरी हो चुकी है व अन्य का आपरेशन जल्द किया जाएगा। मौके पर दीघा विधायक संजीव चौरसिया, आइजीआइएमएस के निदेशक डा. बिन्दे कुमार, चिकित्साधीक्षक डा. मनीष मंडल आदि थे।

आइजीआइएमएस में वंचित बच्चों का हो रहा बेहतर इलाज

डा. बिंदे कुमार ने कहा कि आइजीआइएमएस वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण इलाज प्रदान करने के लिए समर्पित है। उप निदेशक डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में बच्चों की भलाई के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। डा. रवि विष्णु ने कार्डियोलाजी टीम की मेहनत को रेखांकित करते हुए इस मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। डा. प्रियंकर सिंह ने कहा कि आइजीआइएमएस राज्य के हर जरूरतमंद बच्चे का इलाज यहीं कराने का हरसंभव प्रयास करेगा।

6 दैनिक जागरण पटना, 23 जुलाई, 2025

P.R.O.

पटना प्रभात

आइजीआइएमएस में बाल हृदय योजना के तहत 60 बच्चों की हुई सर्जरी

सरकार उठा रही बच्चों के हार्ट, लिवर और बोन मैरो ट्रांसप्लांट का खर्च : मंगल पांडेय

संवाददाता, पटना

बाल हृदय योजना व राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत मंगलवार को बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आइजीआइएमएस का दौरा किया. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब बच्चों की हार्ट सर्जरी के साथ लिवर और बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी जटिल बीमारियों का इलाज भी मुफ्त में करा रही है. गरीब परिवारों के गंभीर रूप से बीमार बच्चों को अब इलाज के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ेगा. इस दौरान उन्होंने संस्थान के सीटीवीएस और कार्डियोलॉजी विभाग के आइसीयू में भर्ती सफलतापूर्वक ऑपरेट किये गये बच्चों से मुलाकात की. इस मौके पर ऑडिटोरियम सभागार में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, दीघा विधायक संजीव चौरसिया, निदेशक डॉ बिंदे कुमार, उपनिदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ मनीष मंडल ने संयुक्त रूप से किया. बाल हृदय योजना के नोडल पदाधिकारी डॉ प्रियंकर सिंह ने बताया कि अब तक 60 बच्चों की हृदय की सर्जरी हो चुकी है. बाकी 40 बच्चों की जल्द ही सर्जरी की जायेगी. 14 मई, 2025 को संस्थान में आयोजित निःशुल्क बाल हृदय स्वास्थ्य शिविर में कुल 150 बच्चों की स्क्रीनिंग की गयी थी, जिनमें से 70 बच्चों को चयनित किया गया था.

अब आइजीआइएमएस में ही होगी सर्जरी : स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बाल हृदय योजना मेरे हृदय के अत्यंत निकट है. यह योजना उन बच्चों के जीवन में आशा की किरण है, जो गंभीर हृदय रोगों से जूझ रहे हैं. उन्होंने कहा कि अब संस्थान में काफी सुविधाएं शुरू की गयी हैं. ऐसे में अब अधिक से अधिक बच्चों की अहमदाबाद के बदले संस्थान में ही सर्जरी हो जायेगी. मंत्री ने कहा कि कंकड़बाग स्थित जय प्रकाश मेदांता हॉस्पिटल में यह योजना के तहत बच्चों की सर्जरी शुरू की गयी है. वहीं उप निदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में आइजीआइएमएस में बच्चों के साथ-साथ सभी तरह के मरीजों के इलाज की नयी सुविधाएं शुरू की गयी हैं, इससे अब मरीजों को बाहर नहीं जाना पड़ रहा है. वहीं डॉ मनीष मंडल ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आने वाले समय में संस्थान में और नयी चिकित्सा पद्धति से इलाज किया जायेगा. मौके पर राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजीव एवं राज्य समन्वयक मोहम्मद इम्तियाज, नोडल अधिकारी डॉ प्रियंकर सिंह, डॉ तुषार, डॉ एंड्रयू, डॉ गौतम, डॉ चंद्रभानु चंदन, डॉ विवेकानंद, डॉ सतीश समेत कई चिकित्सक व बच्चों के माता-पिता मौजूद थे.

आइजीआइएमएस में बच्चों से मिलते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय.

hindustantimes.com
@hindustantimes @httweets @hindustantimes @hindustantimes

PATNA/METRO
Wednesday, July 23, 2025

VOICE OF THE NATION @100 SINCE 1924

KIDS WALK WITH SMILE

heart," said Dr Avneesh. Operated on July 17, Kumar was discharged on Tuesday.

The procedure on Vaishali's Rupanshi Kumari, 12, suffering from complete atrioventricular septal defect (AVSD), characterised by abnormal connections between all four heart chambers, involving a mix of problems, including holes in the walls separating the heart's chambers and malformations of the atrioventricular valves, which control blood flow, was also challenging, said Dr Avneesh.

These children were among the 150 screened during the free mega health camp held on May 14, of which 70 children were shortlisted for critical heart surgeries.

Among them, 30 children have already undergone successful operations at IGIMS, while the remaining 40 are scheduled for surgery soon, said Dr Priyankar Singh, nodal officer of RBSK and BHY at IGIMS.

As many as 68 cardiac surgeries have been performed under the RBSK and BHY programme at the IGIMS over the last one year.

The IGIMS is a pioneer in the state in doing cardiac surgeries under the government's programme.

Bihar's health minister Mangal Pandey, who was present during the discharge of the children on Tuesday, praised the commendable work being done at IGIMS.

"Bal Hriday Yojna is extremely close to my heart. This programme is a ray of hope for children battling complex heart diseases," he said.

P.R.O. Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Sheikhpura, Patna

आज

आईजीआईएमएस में हार्ट की सर्जरी करा चुके बच्चों से मिले स्वास्थ्य मंत्री

पटना (आससे)। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आईजीआईएमएस में बाल हृदय योजना के अंतर्गत सफल हृदय शल्य चिकित्सा (हार्ट सर्जरी) कर चुके 31 बच्चों और उनके परिजनों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि 14 मई को राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत बाल हृदय योजना के लिए शिविर आयोजित की गई थी। जिसमें 150 बच्चे की जांच की गई और 70 बच्चों का ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। उनमें से 30 बच्चों का सफल ऑपरेशन हुआ और शेष 39 बच्चों का जल्द ही ऑपरेशन होगा।

दीघा विधायक डा.संजीव कुमार चौरसिया ने आईजीआईएमएस की टीम के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। संस्थान के निदेशक ड.बिन्देश्वर कुमार ने संस्थान के बारे में कहा कि आईजीआईएमएस सभी वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण इलाज प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। उपनिदेशक डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में संस्थान बच्चों के बेहतर के लिए हर संभव प्रयास करेगा। कार्डियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा.रवि विष्णु प्रसाद ने कार्डियोलॉजी टीम एवं संस्थान में कार्यरत आरबीएसके टीम की मेहनत को रेखांकित करते हुए इस मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। सीटीभीएस के विभागाध्यक्ष डा.शील अवनीश ने एक लाइव हार्ट सर्जरी का वीडियो प्रस्तुत कर उपस्थितजनों को जटिल हृदय सर्जरी की बारीकियों से अवगत कराया। इस मौके पर अस्पताल के अधीक्षक डा.मनीष मंडल, आरबीएसके के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डा.राजीव एवं राज्य समन्वयक मो.इम्तियाज,बाल हृदय योजना के नोडल पदाधिकारी डा.प्रियंकर सिंह, डा.तुषार, डा.एंड्रयू, डा. गौतम, डा.चन्द्रभानु चंदन, डा. विवेकानंद, डा.सतीश कुमार समेत अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

39 बच्चों की जल्द होगी हार्ट की सर्जरी

{ RASHTRIYA BAL SWASTHYA KARYAKRAM }

Five children with congenital heart disorders walk out of IGIMS with smile after surgeries

Ruchir Kumar
ruchirkumar@hindustantimes.com

PATNA: Five children with congenital heart disorders got a new lease of life, as they were successfully operated upon free of cost under the government's flagship programme for children, the Rashtriya Bal Swasthya Karyakram (RBSK) and the Bal Hriday Yojana (BHY), and discharged at the Indira Gandhi Institute of Medical Sciences (IGIMS), said officials on Tuesday.

The heart surgeries were unique to the state, as hitherto most young children, generally up to 5 years of age and around 5kg weight, used to be sent to Ahmedabad for complex corrective cardiac surgeries.

Bihar health minister Mangal Pandey along with doctors meets a child after his successful heart surgery at the Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Patna, on Tuesday. SANTOSH KUMAR/HT

The IGIMS on Tuesday, discharged five children, the youngest being two-year old Shivam Kumar of Darbhanga who underwent corrective surgery on July 14 to plug a 16mm diameter hole in the heart, referred to as atrial septal defect (ASD).

Madhubani's Sarvesh, 8, and Darbhanga's Shivani Kumari, 11, were also among those to be discharged on Tuesday after the hole in their hearts were plugged last week by a team of cardio-thoracic vascular surgeons (CTVS) led by professor and head Dr Sheil Avneesh.

"While all the cardiac surgeries on children were challenging, lasting an average 4-6 hours, the procedure on West Champaran's Aryan Kumar, 6, who had tetralogy of fallot, also referred to as blue baby, was more challenging. It involved closing the hole in his heart, removing obstruction in his pulmonary artery (carrying impure blood from the heart to the lungs for purification), increasing the size of the pulmonary artery and also correcting the malignment of the

continued on →7

गंभीर हृदय रोगों से जूझ रहे बच्चों के जीवन में आशा की किरण है 'बाल हृदय योजना'

www.rashtriyasahara.com
पटना ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित.
पटना
बुधवार • 23 जुलाई • 2025

आईजीआईएमएस के सीटीवीएस और कार्डियोलॉजी विभाग की आईसीयू में एडमिट बच्चों से मुलाकात में बोले स्वास्थ्य मंत्री

पटना (एसएनबी)। बाल हृदय योजना एवं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तत्वावधान में मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) पटना का दौरा किया एवं सीटीवीएस और कार्डियोलॉजी विभाग के आईसीयू में ऑपरेशन किए गए बच्चों से मुलाकात की। मंत्री ने उन बच्चों से भी भेंट की जिनकी सर्जरी अगले कुछ दिनों में होने वाली है। मंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ भविष्य की कामना की। स्वास्थ्य मंत्री ने आईजीआईएमएस की ओर से किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि 'बाल हृदय योजना' उन बच्चों के जीवन में आशा की किरण है जो गंभीर हृदय रोगों से जूझ रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से इस योजना पर भरोसा जताने की अपील की। बताते चलें कि आईजीआईएमएस में बीते तीन वर्षों में 1296 बच्चों का सफल ऑपरेशन किया गया। आईजीआईएमएस के मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रो. मनीष मंडल ने बताया कि वर्ष 2022-23 में 303,2023-24 में 427 और 2024-25 में 566 बच्चों की सफल सर्जरी की गई। यह उल्लेखनीय है कि 14 मई 2025 को आईजीआईएमएस में आयोजित निःशुल्क बाल हृदय स्वास्थ्य शिविर में कुल 150 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई थी, जिनमें से 70 बच्चों को ऑपरेशन के लिए चयन किया गया था। अब तक चिकित्सकों द्वारा 30 बच्चों की जटिल हृदय सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की जा चुकी है और शेष 40 बच्चों की सर्जरी शीघ्र होने वाली है।

विधायक संजीव चौरसिया ने भी ऑपरेशन में शामिल आईजीआईएमएस के टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। निदेशक प्रो. बिंदे कुमार ने कहा कि संस्थान सभी वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण इलाज प्रदान करने के लिए समर्पित है। उप निदेशक प्रो. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में आईजीआईएमएस बच्चों की भलाई के लिए कृतसंकल्पित है। सीटीवीएस विभागाध्यक्ष डॉ. शील अवनीश ने एक लाइव हार्ट सर्जरी का वीडियो प्रस्तुत कर लोगो को जटिल हृदय सर्जरी की बारीकियों से अवगत कराया। कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. रवि विष्णु ने कार्डियोलॉजी टीम एवं संस्थान में कार्यरत आरबीएसके टीम की मेहनत को रेखांकित करते हुए इस मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। आरबीएसके के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजीव एवं राज्य समन्वयक मोहम्मद इम्तियाज ने कहा कि राज्य स्वास्थ्य समिति संस्थान को बाल हृदय सर्जरी जैसे कार्यों में पूर्ण सहयोग देती रहेगी। संस्थान के आरबीएसके एवं बाल हृदय योजना के नोडल अधिकारी डॉ. प्रियंकर सिंह ने संकल्प लिया कि स्वास्थ्य मंत्री के मार्गदर्शन में आईजीआईएमएस की टीम राज्य के हर जरूरतमंद बच्चे का इलाज यहीं कराने की हरसंभव प्रयास करेगी,ताकि किसी को राज्य के बाहर जाने की आवश्यकता न पड़े।

Gym supplement can rewire brain through ultrasound

Creatine, a compound known to build muscle but also vital for brain function, can now be delivered directly to the brain through focused ultrasound that temporarily opens the blood-brain barrier, according to Virginia Tech scientists. Creatine can influence signalling between neurons and can play a crucial role in learning, memory, seizure control and overall brain development. This therapeutic ultrasound delivery can benefit kids with creatine deficiency by restoring normal brain mass, helping them overcome learning, speech delays.

THE TIMES OF INDIA, PATNA
WEDNESDAY, JULY 23, 2025

NUTRITION

WHICH ONE IS HEALTHIER?

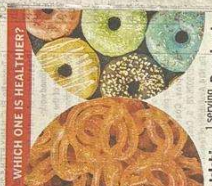

Jalebi	1 serving (100gm)	Doughnut
400-450	CALORIES	452
1-3gms	PROTEIN	4-6gms
85-90gms	CARBS	50-55gms
60-70gms	SUGARS	20-25gms
10-15gms	FAT	25gms

Both jalebis and doughnuts are made with highly pro-inflammatory ingredients that are addictive, potentially toxic, and low in nutrient density. Made of refined wheat flour (can be a gut irritant), they are deep-fried, often in reused oils containing artery-clogging trans fats. Both are loaded with refined white sugar that disrupts insulin levels and promotes chronic inflammation. They can both affect our gut microbiome and cause a leaky gut. At best, they can be an occasional indulgence but neither qualifies as a healthy snack option.

Source: **Ishi Khosla**, clinical nutritionist and founder, Whole Foods & Celiac Society of India

LATEST IN HEALTH RESEARCH

Can obesity drug slow down breast tumour growth?

University of Michigan researchers have found Tirzepatide, a popular weight-loss drug, can potentially reduce obesity-related breast cancer growth. The study, presented at the Endocrine Society's annual meeting in San Francisco recently, used mice models to find that the drug greatly shru[illegible] tumour volumes, while cutting b[illegible] fat by around 20%. "Obesity is a significant risk factor for breast cancer. These new anti-obesity drugs may be a way to reduce ris[illegible] improve outcomes," said study author Amanda Kucinskas.

पटना, बुधवार, 23 जुलाई 2025 06

अबतक 2278 बच्चों के ऑपरेशन रहे सफल

बोले मंगल पांडेय

- दिल में छेद वाले 31 गरीब बच्चों से ऑपरेशन के बाद मिले स्वास्थ्य मंत्री
- लिवर व बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी गंभीर बीमारियों में भी सरकार कर रही खर्च
- 14 मई को राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत बाल हृदय योजना के लिए शिविर लगा था

आईजीआईएमएस में सफल हृदय शल्य चिकित्सा से गुजर चुके बच्चों से मिलते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय। • हिन्दुस्तान

पटना, हिप्र। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आईजीआईएमएस में बाल हृदय योजना के तहत सफल हृदय शल्य चिकित्सा से गुजर चुके 31 बच्चों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की।

14 मई को राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत बाल हृदय योजना के लिए शिविर लगा था। इसमें 150 बच्चों की जांच की गई और 70 बच्चों को ऑपरेशन के लिए चुना गया। उनमें से 31 बच्चों का सफल ऑपरेशन हो चुका है, शेष का जल्द ही ऑपरेशन होगा। अबतक राज्य के 2278 से अधिक बच्चों का सफल हृदय ऑपरेशन हुआ है। 2021 में बाल हृदय योजना की शुरुआत के समय हृदय छिद्र से पीड़ित बच्चों को श्री सत्य साईं हॉस्पिटल अहमदाबाद भेजा जाता रहा है। जहां अबतक 1500 से अधिक का इलाज हुआ। पटना के आईजीआईएमएस, आईजीआईसी और जयप्रभा मेदांता अस्पतालों में भी इस योजना के तहत निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बाल हृदय योजना और ऐसी ही अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं, बिहार की जनता के समर्थन और विश्वास की वजह से संभव हो पाई हैं। उन्होंने आईजीआईएमएस प्रबंधन और चिकित्सकीय टीम की सराहना करते हुए उन्हें मानवीय सेवा के लिए बधाई दी। मौके पर दीघा विधायक संजीव चौरसिया, आईजीआईएमएस के निदेशक डॉ. बिन्दे, आईजीआईएमएस के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. मनीष मंडल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

राज्यपाल के प्रधान सचिव आरएल चोंग्थू ने कुलपति को पत्र भेजा

वीसी के नीतिगत निर्णय लेने पर राजभवन की रोक

अरबी फारसी विवि

- बिना इजाजत कोर्स संचालन की अनुमति देने से विवाद में वीसी
- उच्च शिक्षा निदेशालय से कुलपति के निर्णय पर रोक लगाने की मांग की गई थी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राजभवन ने मौलाना मजहरूल हक अरबी-फारसी विश्वविद्यालय के कुलपति मो. आलमगीर को किसी भी प्रकार के नीतिगत निर्णय लेने पर रोक लगा दी। साथ ही वे किसी भी प्रकार की नियुक्ति या स्थानांतरण आदि भी नहीं कर सकेंगे।

इस संबंध में राज्यपाल के प्रधान सचिव आरएल चोंग्थू ने कुलपति को पत्र भेजा है। इस प्रकार किसी भी नयी योजना एवं अन्य नये कार्य, जिसमें वित्तीय निर्वहन किया जाना हो, वैसे निर्णय नहीं लेने की हिदायत दी गयी है। पत्र में कहा है कि यदि विशेष परिस्थिति और कार्य हित में किसी प्रकार की नीतिगत या वित्तीय निर्णय लिये जाने की आवश्यकता हो तो कुलाधिपति से पहले अनुमति लें। इसके बाद ही कोई काम करें। दरअसल, मौलाना मजहरूल हक अरबी-फारसी विश्वविद्यालय के कुलपति मो. आलमगीर विश्वविद्यालय के उस आदेश के बाद विवादों के घेरे में आ गए, जिसके तहत फुलवारीशरीफ के एक डिग्री कॉलेज को साइंस, कला, और कॉमर्स के लगभग 22 विषयों में स्नातकोत्तर और चार विषयों में व्यावसायिक कोर्स शुरू करने की अनुमति दी गई थी। इस पर राज्य सरकार की स्वीकृति नहीं ली गई थी। आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार की स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुमति दी जाती है। इसके बाद राज्य सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय से कुलपति के नीतिगत निर्णय पर रोक लगाने की मांग की गई थी। इसकी प्रति राजभवन, मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव कार्यालय को भी दी गई थी।

P.R.O.

P.R.O.

QAUMI TANZEEM Patna, Wed. 23, July. 2025

وزیر صحت منگل پانڈے نے آئی جی آئی ایم ایس میں دل کی کامیاب سرجری کرانے والے بچوں سے ملاقات کی

2278 سے زیادہ بچوں کے دل کا کامیاب آپریشن: منگل پانڈے

پٹنہ (ت ن س) وزیر صحت منگل پانڈے نے منگل کو پٹنہ کے اندرا گاندھی انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسز میں بال ہردیے یوجنا کے تحت دل کی کامیاب سرجری کروانے والے 31 بچوں اور ان کے اہل خانہ سے ملاقات کی اور ان کی خیریت دریافت کی۔ انہوں نے ان کی اچھی صحت اور روشن مستقبل کی خواہش بھی کی۔ 14 مئی کو راشٹریہ بال سواستھیہ کاریہ کرم کے تحت بال ہردیہ یوجنا کے لیے کیمپ کا انعقاد کیا گیا، جس میں 150 بچوں کا معائنہ کیا گیا اور 70 بچوں کو آپریشن کے لیے منتخب کیا گیا۔ ان میں سے 31 بچوں کے کامیاب آپریشن ہو چکے ہیں، باقی 39 بچوں کا جلد آپریشن کر دیا جائے گا۔ جناب پانڈے نے کہا کہ اب تک ریاست کے 2278 سے زیادہ بچوں کے دل کے کامیاب آپریشن ہو چکے ہیں۔ 2021 میں بال دل یوجنا کے آغاز کے وقت، دل کے سوراخوں میں مبتلا بچوں کو احمد آباد کے سری ستیہ سائی اسپتال بھیجا گیا تھا۔ جہاں اب تک 1500 سے زائد بچوں کا کامیاب علاج کیا جا چکا ہے۔ انہوں نے بتایا کہ اب بہار میں بھی اس اسکیم کے تحت پٹنہ میں واقع IGIC،IGIMS اور Jaiprabha Medanta اسپتالوں میں مفت علاج کی سہولت فراہم کی جا رہی ہے۔ جناب پانڈے نے کہا کہ بال ہردیہ یوجنا اور اس طرح کی کئی عوامی فلاحی اسکیمیں بہار کے لوگوں کے تعاون اور اعتماد کی وجہ سے ممکن ہوئی ہیں۔ انہوں نے کہا کہ جب بہار کے عوام نے این ڈی اے حکومت کو منتخب کیا تو ہم نے مفاد عامہ میں ایسی اسکیموں کو نافذ کیا جس کا براہ راست فائدہ آج عام لوگوں کو مل رہا ہے۔ حکومت کا یہ واضح عزم ہے کہ ہر بچے کو بغیر کسی مالی بوجھ کے زندگی بچانے والی طبی سہولت ملنی چاہیے اور بال ہردیہ یوجنا اس عزم کا ثبوت ہے۔ انہوں نے یقین دلایا کہ اس طرح کی عوامی فلاح و بہبود کی کوششیں مستقبل میں بھی جاری رہیں گی تاکہ ہر بچے کی زندگی کا حق محفوظ ہو سکے۔ اس دوران انہوں نے IGIMS انتظامیہ اور میڈیکل ٹیم کی تعریف کی اور انہیں اس انسانی خدمت کے لئے مبارکباد دی اور کہا کہ ریاستی حکومت معاشی طور پر کمزور خاندانوں کے شدید بیمار بچوں کے علاج کے لئے مسلسل کوشش کر رہی ہے۔ بال ہردیہ یوجنا کے ذریعے اب تک سینکڑوں بچوں کو نئی زندگی ملی ہے، جو کہ بہار کے صحت کے شعبے میں ایک اہم کامیابی ہے۔ اس پروگرام میں سنجیو چورسیا ایم ایل اے دیگھا، ڈاکٹر بندے، ڈائرکٹر، آئی جی آئی ایم ایس، ڈاکٹر منیش منڈل، میڈیکل سپرنٹنڈنٹ، آئی جی آئی ایم ایس کے علاوہ آئی جی آئی ایم ایس اور محکمہ صحت کے دیگر افسران اور ملازمین اس پروگرام میں موجود تھے۔

P.R.O.

दैनिक भास्कर
बुधवार, 23 जुलाई, 2025

सिटी एंकर | सर्जरी करा चुके 31 बच्चों व परिजनों से मिले स्वास्थ्य मंत्री

आईजीआईएमएस, आईजीआईसी और जयप्रभा मेदांता में भी हार्ट में छेद वाले बच्चों का इलाज

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

हार्ट में छेद से पीड़ित बच्चों का अब आईजीआईएमएस, आईजीआईसी और जयप्रभा मेदांता अस्पताल में भी निःशुल्क इलाज होने लगा है। 2021 में बाल हृदय योजना की शुरुआत के बाद से ऐसे बच्चों को श्री सत्य साई हॉस्पिटल अहमदाबाद भेजा जाता था। वहां 1500 से अधिक बच्चों का सफल इलाज किया गया है। 14 मई को आईजीआईएमएस में शिविर आयोजित किया गया था। इसमें 150 बच्चों की जांच की गई, जिनमें 70 बच्चों को सर्जरी के लिए चुना गया। उनमें से 31 बच्चों की सफल सर्जरी हो चुकी है। बाकी 39 बच्चों की भी जल्द होगी। मंगलवार को

आईजीआईएमएस बच्चों की खिलखिलाहट और चहलकदमी से गुलजार रहा। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने 31 बच्चों और उनके परिजनों से मिल कर उनकी कुशलता जानी। उन्होंने कहा कि अबतक राज्य के 2278 से अधिक बच्चों की सफल सर्जरी हो चुकी है। मौके पर विधायक संजीव चौरसिया, अस्पताल के निदेशक डॉ. बिन्दे मौजूद थे।

महावीर वात्सल्य : नीकू में पांच और वेंटिलेटर लगेंगे

पटना | महावीर वात्सल्य अस्पताल में समय से पहले जन्मे बच्चों के इलाज के लिए नीकू में पांच और वेंटिलेटर लगेंगे। ये वेंटिलेटर रोटरी चाणक्या द्वारा दिए जाएंगे। अभी नीकू में 30 वेंटिलेटर हैं। संस्थान में आयोजित वात्सल्य पखवारा कार्यक्रम में रोटरी चाणक्या के अध्यक्ष अभिषेक अपूर्व ने पांच वेंटिलेटर जल्द उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इसके अलावा मरीजों के बीच ओआरएस और दवाएं वितरित की गईं।

QAUMI TANZEEM Patna, Wed. 23, July. 2025

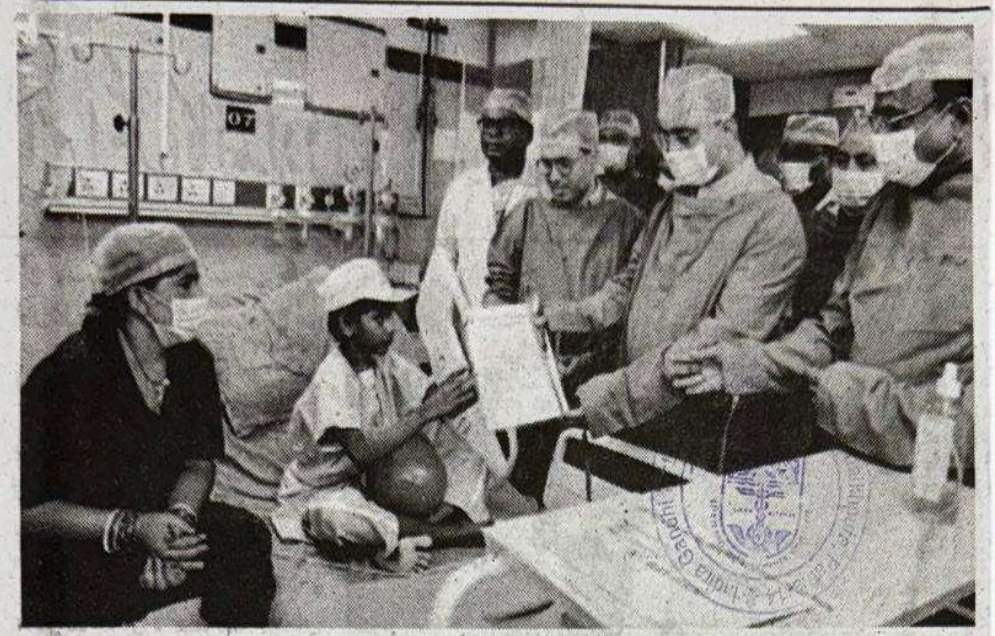

وزیر صحت منگل پانڈے نے آئی جی آئی ایم ایس میں دل کی کامیاب سرجری کرانے والے بچوں سے ملاقات کی

2278 سے زیادہ بچوں کے دل کا کامیاب آپریشن: منگل پانڈے

پٹنہ (ت ن س) وزیر صحت منگل پانڈے نے منگل کو پٹنہ کے اندرا گاندھی انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسز میں بال ہردئے یوجنا کے تحت دل کی کامیاب سرجری کروانے والے 31 بچوں اور ان کے اہل خانہ سے ملاقات کی اوران کی خیریت دریافت کی۔انہوں نے ان کی اچھی صحت اور روشن مستقبل کی خواہش بھی کی۔ 14 مئی کو راشٹریہ بال تحفظ کاریہ کرم کے تحت بال ہردیہ یوجنا کے لیے کیمپ کا انعقاد کیا گیا، جس میں 150 بچوں کا معائنہ کیا گیا اور 70 بچوں کو آپریشن کے لیے منتخب کیا گیا۔ان میں سے 31 بچوں کے کامیاب آپریشن ہو چکے ہیں، باقی 39 بچوں کا جلد آپریشن کر دیا جائے گا۔جناب پانڈے نے کہا کہ اب تک ریاست کے 2278 سے زیادہ بچوں کے دل کے کامیاب آپریشن ہو چکے ہیں۔ 2021 میں بال دل یوجنا کے آغاز کے وقت، دل کے سوراخوں میں مبتلا بچوں کو احمد آباد کے سری ستھیا سائی اسپتال بھیجا گیا تھا۔ جہاں اب تک 1500 سے زائد بچوں کا کامیاب علاج کیا جا چکا ہے۔انہوں نے بتایا کہ اب بہار میں بھی اس اسکیم کے تحت پٹنہ میں واقع IGIMS، IGIC اور Jaiprabha Medanta اسپتالوں میں مفت علاج کی سہولت فراہم کی جا رہی ہے۔ جناب پانڈے نے کہا کہ بال ہردیہ یوجنا اور اس طرح کی کئی عوامی فلاحی اسکیمیں بہار کے لوگوں کے تعاون اور اعتماد کی وجہ سے ممکن ہوئی ہیں۔ انہوں نے کہا کہ جب بہار کے عوام نے این ڈی اے حکومت کو منتخب کیا تو ہم نے مفاد عامہ میں ایسی اسکیموں کو نافذ کیا جس کا براہ راست فائدہ آج عام لوگوں کو مل رہا ہے۔حکومت کا یہ واضح عزم ہے کہ ہر بچے کو بغیر کسی مالی بوجھ کے زندگی بچانے والی طبی سہولت ملنی چاہیے اور بال ہردیہ یوجنا اس عزم کا ثبوت ہے۔انہوں نے یقین دلایا کہ اس طرح کی عوامی فلاح و بہبود کی کوششیں مستقبل میں بھی جاری رہیں گی تا کہ ہر بچے کی زندگی کا حق محفوظ ہو سکے۔اس دوران انہوں نے IGIMS انتظامیہ اور میڈیکل ٹیم کی تعریف کی اور انہیں اس انسانی خدمت کے لئے مبارکباد دی اور کہا کہ ریاستی حکومت معاشی طور پر کمزور خاندانوں کے شدید بیمار بچوں کے علاج کے لئے مسلسل کوششیں کر رہی ہے۔بال ہردیہ یوجنا کے ذریعے اب تک سینکڑوں بچوں کو نئی زندگی ملی ہے، جو کہ بہار کے صحت کے شعبے میں ایک اہم کامیابی ہے۔اس پروگرام میں سنجیو چورسیا ایم ایل اے دیکھا، ڈاکٹر بندے، ڈائرکٹر، آئی جی آئی ایم ایس، ڈاکٹر منیش منڈل، میڈیکل سپرنٹنڈنٹ، آئی جی آئی ایم ایس کے علاوہ آئی جی آئی ایم ایس اور محکمہ صحت کے دیگر افسران اور ملازمین اس پروگرام میں موجود تھے۔